



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

CK
1-8 85

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 166]

तई विल्सो, शनिवार, मार्च 30, 1985/चैत्र 9, 1907

No. 166] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 30, 1985/CHAITRA 9, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न ही जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(आंध्रोंगिक विकास विभाग)

नई विल्सो, 30 मार्च, 1985

आदेश

का. आ. 282(अ) :—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (आंध्रोंगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 387 (अ) तारीख 7 जूलाई, 1979, सं. का. आ. 497 (अ) तारीख 5 जूलाई, 1980, सं. का. आ. 541 (अ) तारीख 6 जूलाई, 1981, सं. का. आ. 480 (अ) तारीख 7 जूलाई, 1982, सं. का. आ. 497 (अ) तारीख 7 जूलाई, 1983, सं. का. आ. 489 (अ) तारीख 6 जूलाई, 1984, सं. का. आ. 983 (अ) तारीख 31 दिसम्बर, 1984 तथा सं. का. आ. 67 (अ) दिनांक 31 जनवरी, 1985 के साथ पिछल भारत सरकार के भूतपूर्व आंध्रोंगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 426 (अ) तारीख 8 जूलाई, 1974 इवारा (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है), मै. एसोसिएटेड हर्डस्ट्रीज (असम) लिमिटेड, चन्द्रपर नामक आंध्रोंगिक उपकाम के रसायन एकक का प्रबन्ध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम,

1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक्ष की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन 31 मार्च, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए प्रहरण कर लिया गया था और मैं असग इंडिस्ट्रियल डेवलपमेंट कापोरेशन लि. को उक्त औद्योगिक उपकाम का प्रबन्ध प्रहरण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

आंदे केन्द्रीय सरकार की यह राय होने पर कि लोकहित में यह समीचील है कि उक्त औद्योगिक उपकाम का प्रबन्ध मैं असग इंडिस्ट्रियल डेवलपमेंट कापोरेशन लि. के पास 30 जून, 1985 जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बना रहे।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक्ष की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त याकितयाँ का प्रयोग करते हुए यह निवेश देती है कि उक्त आदेश 30 जून, 1985 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रभावी बना रहेगा।

[सं. 4(4)/80-सी. यू. एस. ज
ए. पी. सरबन, संयुक्त मंत्रिव

**MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY
AFFAIRS**

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 30th March, 1985

ORDER

S.O. 282(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 426(E), dated the 8th July, 1974 (hereinafter referred to as the said Order), read with the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Nos. S.O. 387(E), dated the 7th July, 1979, S.O. 497(E), dated the 5th July, 1980, S.O. 541(E), dated the 6th July, 1981, S.O. 480(E), dated the 7th July, 1982, S.O. 497(E), dated the 7th July, 1983, S.O. 489(E), dated 6th July, 1984, S.O. 983(E) dated the 31st December, 1984, and S.O. 67(E) dated the 31st January, 1985, the management of the chemical unit of the industrial undertaking known as Messrs Associated Industries (Assam) Limited, Chandrapur, was taken over under clause (b) of sub-section

(1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) upto and inclusive of the 31st March, 1985, and Messrs Assam Industrial Development Corporation Limited was authorised to take over the management of the said industrial undertaking;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue to be under the management of Messrs Assam Industrial Development Corporation Limited upto and inclusive of 30th June, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect upto and inclusive of the 30th June, 1985.

[No. 4(4)|80-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.